100 प्रतिशत अस्पतालों में चल रहे 'अपना मेडिकल स्टोर'

'दवा - लूट' पर कड़ा प्रहार

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 14 जून- अन्न एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के आयुक्त तुकाराम मुंढे ने स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त एक और बड़ी मनमानी पर नकेल कसने का आदेश जारी किया है. आयुक्त ने स्पष्ट कर दिया है कि अस्पताल प्रबंधन मरीजों पर अपनी ही फामेर्सी या दुकान से दवाएं खरीदने का दबाव नहीं डाल सकते. यह आदेश उन मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक बड़ी राहत की उम्मीद जगाता है, जो लंबे समय से अस्पतालों के अंदर चल रहे 'दवा माफिया' के चंगुल में फंसे थे.

क्या होगा समाधान, बनानी होगी टीम

यदि मुंढे को इस खेल को खत्म करना है, तो उन्हें केवल आदेश से आगे बढ़कर अस्पताल परिसर की फार्मेसियों का औचक ऑडिट कराना होगा. मरीजों को बाहर से दवा लाने के अधिकार को अनिवार्य कानूनी संरक्षण देना होगा. दवा कंपनियों और डॉक्टरों के बीच होने वाले 'कमीशन' के लेन-देन की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करनी होगी.

'बैक-डोर' से होती है दवाओं की दोबारा बिक्री

अस्पताल के अंदर दवाओं के

डॉक्टर- दुकानदार का 'गठजोड़'

शहर के लगभग शत-प्रतिशत अस्पतालों में अब इन-हाउस फामेर्सी का जाल बिछा हुआ है. यह मात्र सुविधा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित व्यापार मॉडल है. यदि मरीज या उनके परिजन बाहर की अधिक सस्ती और भरोसेमंद दुकान से दवा लाने का साहस करते हैं, तो अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा उसे 'लो-क्वालिटी' या 'अनफिट' बताकर खारिज कर दिया जाता है.

उपयोग और बबार्दी पर किसी भी सरकारी एजेंसी की निगरानी न होना इस माफिया को और अधिक बल देता है. मरीजों को बिलिंग में पूरी दवा दिखाई जाती है, जबकि उपयोग कम होता है.

बची बची हुई महंगी जीवनरक्षक दवाएं 'पिछले दरवाजे' से वापस फामेर्सी में भेज दी जाती हैं.

इसे बिना किसी रसीद के दोबारा बेचकर मोटा मुनाफा कमाया जाता है, जिसका कोई टैक्स ऑडिट भी नहीं होता.

कमीशन का खेल

दवाओं पर छपी एमआरपी का एक बड़ा हिस्सा डॉक्टरों के कमीशन के तौर पर तय होता है. 40,000 रुपये एमआरपी वाली दवा का लागत मूल्य महज 4,000 रुपये होना इस बात का प्रमाण है कि मरीज की मजबूरी का कितना भयानक फायदा उठाया जा रहा है.

सिस्टम की विफलता और निगरानी का सवाल

आदेश जारी करना आसान है, लेकिन इसकी निगरानी कौन करेगा, यह एक ऐसी चैन है जिसमें दवा कंपनियां, अस्पताल मालिक और कमीशनखोर डॉक्टर शामिल हैं.

मॉनिटरिंग का अभाव : अस्पताल के अंदर की फार्मेसियों पर न तो ड्रग इंस्पेक्टर्स की कड़ी नजर रहती है और न ही वहां के स्टॉक रजिस्टर पारदर्शी होते हैं .

मजबूर मरीज आईसीयू या गंभीर स्थिति में भर्ती मरीज के परिजनों के पास बहस करने की ताकत नहीं होती . अस्पताल इसका फायदा उठाते हैं.

जनहित या राजनीतिक दबाव

तुकाराम मुंढे अपनी सख्त कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं, लेकिन यह माफिया तंत्र बहुत पुराना और गहरा है. कई बड़े अस्पतालों को सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों का सीधा संरक्षण प्राप्त है. जैसे ही कोई अधिकारी इस तरह के माफियाओं के पैरों की बेड़ियां तोड़ने की कोशिश करता है, उसका तबादला कर दिया जाता है.

सरकार की भूमिका : अब गेंद राज्य सरकार के पाले में है . क्या सरकार एक ईमानदार अधिकारी का साथ देकर आम आदमी को राहत दिलाएगी या माफियाओं के दबाव में आकर इस 'सफाई अभियान' को बीच में ही रोक देगी.

विधायक राजेश वानखड़े ने रेमंड प्रबंधन को लगाई फटकार

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

नांदगांव पेठ. नांदगांव पेठ पंचतारांकित एमआईडीसी परिसर स्थित प्रसिद्ध कपड़ा निमार्ता कंपनी रेमंड में कामगारों की विभिन्न समस्याओं को लेकर शनिवार, 13 जून को विधायक राजेश वानखडे ने कंपनी प्रबंधन के साथ बैठक कर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कामगारों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय, मानसिक उत्पीड़न या दबाव अब सहन नहीं किया जाएगा.

कामगारों द्वारा दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि रेमंड प्रबंधन द्वारा कुछ कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है. साथ ही कुछ श्रमिक संघ पदाधिकारियों की मिलीभगत से कर्मचारियों पर अन्याय किए जाने की शिकायत भी सामने

स्थानीयों को 80 फीसदी रोजगार देने के निर्देश

आई है. इसी संदर्भ में विधायक वानखडे ने कंपनी अधिकारियों को तत्काल समस्या समाधान के निर्देश दिए.विधायक राजेश वानखडे ने कहा कि यदि कामगारों के अधिकारों का हनन किया गया तो कंपनी प्रबंधन को श्रम कानूनों के तहत जिम्मेदार ठहराया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिलनी चाहिए और कंपनी में कम से कम 80 प्रतिशत स्थानीय रोजगार सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है, अन्यथा उचित कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने आगे कहा कि एमआईडीसी की कई कंपनियों में स्थानीय कामगारों के साथ अन्याय की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जिन्हें गंभीरता से लेना जरूरी है. बैठक के दौरान विधायक ने कंपनी प्रबंधन के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कामगारों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए. इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष विवेक गुल्हाने, तिवसा नगर पंचायत पार्षद प्रकाश पडोळे, कंपनी हेड विकास राजा, एचआर गणेश शिंदे सहित संबंधित अधिकारी, कामगार एवं पदाधिकारी उपस्थित थे.

मटमैली जलापूर्ति के निषेध आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

मोर्शी, 14 जून- स्थानीय कालोनी परिसर में अनियमित तथा मटमैला पानी की आपूर्ति की जा रही है. इसके निषेध में 12 जून को भाजपा के पार्षदों ने नगर परिषद कार्यालय में पहुंचकर नगराध्यक्ष प्रतीक्षा गुल्हाने को एक लिखित ज्ञापन सौंपा गया. मोर्शी शहर में जुनी तथा नई, 2 पानी की टंकियां हैं. पर्याप्त पानी का संग्रहन करने की क्षमता रहने के बावजूद भी मोर्शी शहर के अनेक भागों में जिनमें विशेष तौर पर समर्थ कालोनी, गुरुदेव नगरी, गेडाम ले-आऊट, गजानन कालोनी, छाया नगर, साई सिटी ले-आऊट, दीप कालोनी तथा राधाकृष्ण कालोनी के कुछ भागों में अनेक घरों में पानी नहीं पहुंचता. विभिन्न स्थानों पर जलापूर्ति करनेवाली पाइप लाइन लीकेज रहने से लाखों लीटर पानी की बर्बादी हो रही है. इस पाइप लाइन का लीकेज के कारण कालोनी परिसर में अशुध्द, मटमैला पानी की आपूर्ति हो रही है. परंतु इस गंभीर समस्या की ओर प्रशासन द्वारा बडी अनदेखी की जा रही है, ऐसा आरोप नगरसेवकों ने किया हैं. नप का जलापूर्ति विभाग की ओर से मोर्शी शहर में की जा रही जलापूर्ति दूषित तथा दुर्गंधीयुक्त रहने से नागरिकों का

5 दिनों में करें पानी का नियोजन

स्वास्थ्य खतरे में आकर संक्रामक बीमारियों का फैलाव होने का भय नागरिकों में निर्माण हो गया है. नप के जलापूर्ति विभाग की निष्क्रियता तथा खोखला नियोजन के कारण ही यह स्थिति बनी है, ऐसा आरोप किया जा रहा है. शहर में अपर वर्धा बांध प्रकल्प से जलापूर्ति की जाती है. इस प्रकल्प में पर्याप्त जलसंग्रहण उपलब्ध है. बावजूद इसके मोर्शी नगर परिषद की ओर से अनियमित जलापूर्ति की जा रही है, इसी बात पर नागरिक गुस्सा व्यक्त कर रहे है. इस योजना को चलाने के लिए दलितत्तेर योजना से जलापूर्ति प्रबंधन के लिए 60 लाख रुपयों की निविदा जारी कर प्रबंधन पर खर्च करने का आदेश निकालकर कुशल कामगारों द्वारा यह काम कराया जाए. फिर भी इस योजना में ठेकेदार ने कोई भी कुशल कामगार का इस्तेमाल नहीं करने से जलापूर्ति वितरण का व्यवस्थापन पूरी तरह बिगडा हुआ नजर आ रहा है. पानी में ब्लिचिंग तथा ॲलन का प्रमाण असंतुलित रहने से पानी में दुर्गंधी भी आ रही है, यह बात जनता के स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत ही गंभीर है, ऐसा आरोप पार्षद नितिन पन्नासे ने किया है. बता दें कि समर्थ कालोनी परिसर के नागरिक निजी पानी का टैंकर बुलाकर साथ ही पैसे देकर पीने के पानी की कैन बुलाकर अपनी प्यास बूझा रहे है. इसलिए नप जलापूर्ति विभाग द्वारा पीने का पानी का योग्य नियोजन किया जाए तथा आगामी 5 दिनों के भीतर नप की ओर से सभी कालोनी परिसर के नागरिकों को पर्याप्त जलापूर्ति की जाए वर्ना नप कार्यालय के सामने तीव्र आंदोलन छेडने की चेतावनी दी गई है. ज्ञापन देते समय पार्षद नितिन पन्नासे, हर्षल चौधरी, प्रीति देशमुख, जयश्री आगरकर, प्रतिभा फंदे, मोनाली फंदे उपस्थित थी.

शिकायत की नप द्वारा नहीं ली जाती दखल

समर्थ कालोनी में 1 से 2 दिन के अंतराल पर जलापूर्ति हो रही है. ऐसे में पानी की कैन खरीदकर प्यास बुझानी पड रही है. नालियों की साफसफाई नहीं हो रही है. जगह-जगह पर कचरे के ढेर पडे हुए रहने से गंदगी का साम्राज्य निर्माण हो गया है. इस संदर्भ में शिकायत करने के बावजूद भी नप प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की दखल नहीं ली जाती.

-विठ्ठल वंजारी, सेवानिवृत्त तहसीलदार

अवैध धंधों से सामाजिक तथा पारिवारिक स्तर पर गंभीर परिणाम

पुलिस अधीक्षक कदम ने दी कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

चांदूर बाजार, 14 जून- बढते अवैध धंधे यह सामाजिक तथा पारिवारिक स्तर पर गंभीर परिणामकारक साबित होते है. इसे समय पर ही रोकना जरुरी है. इसीलिए ऐसे अपराधियों पर कडी कार्रवाई करने की चेतावनी पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम ने दी. चांदूर बाजार पुलिस थाने के इतिहास में पहलीबार ही शनिवार को पुलिस थाने में शिकायत निवारण दिन का आयोजन किया गया. इस प्रसंग पर नागरिकों के साथ संवाद साधते हुए पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम बोल रहे थे. ऑनलाइन आर्थिक धोखाधडी के बारे में चिंता व्यक्त कर साइबर अपराधों पर रोक लगाने के लिए जागरूक रहने का आवाहन उन्होंने किया. साथ ही साइबर अपराध को टालने के लिए जनजागृति उपक्रम चलाने की बात भी उन्होंने कही. उन्हीं के आदेश पर पहलीबार ही चांदूर बाजार थाना में शिकायत निवारण दिन का आयोजन किया गया. इस समय थाना के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस पाटिल तथा बडी संख्या में नागरिक उपस्थित थे. कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम ने नागरिकों की विविध शिकायतों की दखल ली. उन्होंने नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्या को समझ लिया. साथ ही संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का तत्काल तथा प्रभावी निवारण करने के निर्देश दिए.

हाल ही में ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पद पर नियुक्ति के बाद निकेतन कदम ने पहलीबार ही चांदूर बाजार पुलिस थाना में भेंट दी. इस भेंट के दौरान उन्होंने तहसील के पुलिस पाटिल, महिला दक्षता समिति, शांति समिति के सदस्य तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ संवाद साधा. कानून सुव्यवस्था को अबाधित रखने के लिए नागरिक और पुलिस प्रशासन के बीच का समन्वय अधिक मजबूत करने की आवश्यकता उन्होंने व्यक्त की. वाचनालय में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने स्पर्धा परीक्षा, सरकारी सेवाओं में मौका और सफल होने के लिए आवश्यक रहनेवाली तैयारी के बारे में मार्गदर्शन किया. साथ ही विविध सरकारी सेवाओं में चयनीत विद्यार्थियों का सत्कार कर उनकी सफलता की सराहना की.

लाठी से हमला

माहुली जहां - ग्राम यावली में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. मनोज धमार्ळे (32) ने शिकायत में बताया कि कुत्ते द्वारा मुर्गी के पंख आरोपी के आंगन में चले जाने पर विवाद हुआ.आरोप है कि आशीष व निलेश धमार्ळे ने गाली-गलौज कर लाठी से सिर पर वार किया.

आज ध्वजारोहण व कपूर ज्योत समारोह से गूंजेगा कौंडण्यपुर

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. विदर्भ की पंढरी और माता रुक्मिणी के मायके के रूप में प्रसिद्ध प्राचीन व ऐतिहासिक तीर्थ क्षेत्र कौंडण्यपुर में इन दिनों भक्ति का माहौल है. यहां स्थित अवधूत महाराज चतुर्पति सेवा संस्थान में बीते 16 मई 2026 से जारी 'अधिक मास' उत्सव का समापन होने जा रहा है. इस एक महीने के धार्मिक अनुष्ठान के तहत तीर्थ क्षेत्र में अखंड भजन, कीर्तन, कपूर ज्योत और नए झंडे (ध्वज) स्थापित करने के साथ-साथ भव्य महाप्रसाद का आयोजन किया गया है.

आज व कल कौंडण्यपुर में होंगे प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान

इस पूरे महीने पंचक्रोशी के विभिन्न भजनी मंडलों ने अपनी सेवाएं दीं. 14 जून तक विभिन्न संतों व महाराजाओं के कीर्तन के कार्यक्रम सुचारु रूप से चल रहे हैं. 15 जून को संस्थान में मुख्य धार्मिक अनुष्ठानों की शुरूआत होगी. 15 को सुबह 6 बजे चौघड़ा वादन, 8 से 10 बजे तक रमणा विठ्ठल मंदिर, शिव

विदर्भ की पंढरी में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

मंदिर, गंगा पूजन, कृष्ण मंदिर और अंबिका माता मंदिर से लेकर अवधूत मंदिर तक भव्य पालकी व आरती यात्रा होगी. सुबह की आरती के बाद रोशनी प्रवीण अलसपुरे के हाथों विशेष रूप से गौ-पूजन किया जाएगा. 11 से 12 बजे भोजन होगा. दोपहर 1 बजे उटी (उबटन) की रस्म और नए झंडे (सेंडे) चढ़ाने के कार्यक्रम की शुरूआत होगी. बयनाबाई देवस्थान, जलगांव का अवधूत भजन मंडल, हरिभाऊ खारकर और वाठोडा का भजनी मंडल झंडे चढ़ाएंगे. इसके अलावा सावंगा के हेंगडूजी महाराज देवस्थान के ट्रस्टी, कुर्हा, वर्धामनेरी, आर्वी, बेलोरा और पारडी (व) के भजनी मंडलों द्वारा भजन व उटी का कार्यक्रम होगा. झंडे स्थापित होने के बाद सुनील धुले (आर्वी) के हाथों मुख्य ध्वज का पूजन किया जाएगा. इसी के साथ शाम 6 बजे चौघड़ा वादन, रात 8 से 9 बजे तक पूजन, रात 10 बजे जलगांव बयनाबाई देवस्थान, वाठोडा भजनी मंडल और लहानुजी महाराज देवस्थान (टाकरखेड़ा) के सौजन्य से अलौकिक 'कपूर ज्योत' प्रज्वलित की जाएगी.

16 को समापन व भव्य महाप्रसाद

उत्सव के अंतिम दिन 16 जून को सुबह 6 बजे चौघड़ा वादन होगा. सुबह 9 बजे विशेष पूजा की शुरूआत होगी. सुबह 10 बजे ' ज्योत' और सुबह 10 से 11 बजे के बीच कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों का सत्कार समारोह आयोजित किया जाएगा. इसके बाद दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक भव्य महाप्रसाद (भंडारे) का वितरण होगा. अवधूत महाराज चतुर्पति सेवा संस्थान (कौंडण्यपुर) के अध्यक्ष, सचिव एवं समस्त ट्रस्टी मंडल ने सभी श्रद्धालु भक्तों, किसानों और आम नागरिकों से इस पावन अवसर पर उपस्थित रहकर दर्शन और महाप्रसाद का लाभ उठाने की भावपूर्ण अपील की है.

अंजनगांव सुर्जी में कल से कामबंद आंदोलन

अंजनगांव सुर्जी,संवाददाता/प्रतिदिन अखबार, 14 जून- संपूर्ण बकाया वेतन पूरी तरह अदा होने तक तथा नियमित वेतन की गारंटी मिलने तक आगामी 16 जून से कामबंद आंदोलन किया जाएगा, ऐसी चेतावनी ठोस कचरा संकलन का काम करनेवाले कामगारों ने दी है. निर्मल ग्राम विकास बहुउद्देशीय संस्था, अंजनगांव सुर्जी के मार्फत स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत ठोस कचरा संकलन का काम करनेवाले कामगारों ने बकाया वेतन के प्रश्न पर नाराजगी व्यक्त की है.कामगारों के कहने के अनुसार, मार्च 2026 से नियमित वेतन नहीं दिया गया है. बारबार 2 से 4 महीनों का वेतन बकाया रखा जा रहा है. केवल 1 महीने का वेतन अदा किया जा रहा है. जिसके कारण कामगारों तथा उनके परिवारों पर आर्थिक संकट आया हुआ है. ऐसे में दैनिक खर्च को पूरा कर पाना कठिन हो गया है. कामगारों ने संपूर्ण बकाया वेतन तत्काल अदा करने की मांग की है. साथ ही भविष्य में प्रतिमाह समय पर वेतन देने की मांग की. इस संदर्भ में कामगारों ने नप के मुख्याधिकारी को ज्ञापन सौपा है.

सुदामा चरित्र से मित्रता, भक्ति और जीवन मूल्यों का संदेश मिलता है

मनीष मूंधड़ा /प्रतिदिन अखबार

धामणगांव रेलवे, 14 जून- स्थानीय श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह के सप्तम एवं अंतिम दिवस पर कथा वाचक आचार्य पं. शरदचंद्र भारद्वाज ने भगवान श्रीकृष्ण एवं उनके परम मित्र सुदामाजी के दिव्य चरित्र का भावपूर्ण वर्णन करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को मित्रता, भक्ति एवं जीवन मूल्यों का संदेश प्रदान किया.

अपने प्रवचन में आचार्यश्री ने बताया कि सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता केवल सांसारिक संबंध नहीं, बल्कि निस्वार्थ प्रेम, समर्पण और आत्मीयता का सर्वोच्च उदाहरण है. उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता वही

है जिसमें स्वार्थ का कोई स्थान न हो तथा धर्म, प्रेम और विश्वास का भाव बना रहे. उन्होंने श्रद्धालुओं को

श्रीमद्भागवत कथा के सप्तम दिवस पर समापन

संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला दिव्य मार्गदर्शक ग्रंथ है.आचार्य श्री ने परिवारों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को बचपन से ही धार्मिक संस्कार प्रदान करें तथा नियमित रूप से भागवत कथा एवं सत्संग का श्रवण कराएं, जिससे उनमें नैतिकता, सदाचार एवं आध्यात्मिकता के संस्कार विकसित हो सकें.

कथा के दौरान भजन-कीर्तन एवं भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का रसपान कर श्रद्धालु भावविभोर हो गए. इस अवसर पर ज्येष्ठ नागरिक माहेश्वरी समाज द्वारा आचार्य पं. शरदचंद्र भारद्वाज का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानपूर्वक सत्कार किया गया.

सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत कथा के सफल समापन पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन संपन्न हुआ. तत्पश्चात श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी एवं भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे. कथा सप्ताह के समापन अवसर पर संपूर्ण परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा.